भारत सरकार
मत्स्यपालन ,पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
मत्स्यपालन विभाग

लोकसभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4194
29 मार्च ,2022 को उत्तर के लिए

मत्स्यपालन का विकास

4194 . श्री नलीन कुमार कटील:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि यदि नदियों के पानी की विशाल मात्रा जो कि बहकर समुद्र में चली जाती है का उपयोग किया जाए तों इसमे मत्स्यपालन की अपार संभावनाएं हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार को जानकारी है कि समुद्र में मिलने से पहले उक्त जल का उपयोग कर लेने से इसमें मछलीपालन के विकास से रोजगार सृजन और आर्थिक विकास की काफी संभावनाएं हो सकती हैं;

(ग) यदि हां ,तो क्या सरकार का विचार उपयुक्त अवसंरचना का निर्माण कर इस जल का उपयोग करके इसमें मत्स्यपालन का विकास करने का है ;और

(घ) यदि हां ,तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री परशोतम रूपाला)

(क) से (घ) जी, हां। मात्स्यिकी क्षेत्र की अपार संभावनाओं को स्वीकार करते हुए और देश में जल और मात्स्यिकी संसाधनों के सतत उपयोग की दिशा में लक्ष्य रखते हुए, मत्स्यपालन विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय ने "प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) "नामक एक प्रमुख योजना तैयार की है और इसे लागू कर रहा है। इसे मात्स्यिकी के स्थायी विकास, मात्स्यिकी और जलीय कृषि में रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के उद्देश्य से सभी राज्यों /संघ राज्य क्षेत्रों में वित्तीय वर्ष 2020-21 से वित्त वर्ष 2024-25 तक 5वर्षों की अवधि के लिए मात्स्यिकी क्षेत्र में 20050 करोड़ रुपए के उच्चतम निवेश के साथ लागू किया जा रहा है। पीएमएमएसवाई अन्य बातों के साथ-साथ नदी और मुहाने के पानी में मात्स्यिकी और मछली पालन को बढ़ावा देने के लिए सहायता प्रदान करता है और इस दिशा में सहायता प्राप्त गतिविधियों में केज और पेन कल्चर, प्रतिस्थापन नावें प्रदान करना, मछली पकड़ने के जाल और अन्य मछली पकड़ने के उपकरण, आवश्यक संचार उपकरण, पोस्ट हार्वेस्ट प्रबंधन, मछली विपणन जैसे मछली खुदरा बाजार और मछली कियोस्क का निर्माण, मछली परिवहन सुविधाएं, कोल्ड स्टोरेज और आइस प्लांट शामिल हैं। इसके अलावा, तटीय मात्स्यिकी की स्थिरता सुनिश्चित करने और मछुआरों के लिए स्थायी आय सर्जित करने के लिए तटीय मछली स्टाक में सुधार के लिए पीएमएमएसवाई के तहत एक समर्पित रिवर रैंचिंग कार्यक्रम भी शुरू किया गया है इसके अलावा पीएमएमएसवाई के अर्न्तगत नदियों और मुहानों के किनारे फिश लैंडिंग केंद्रों के विकास, खारे पानी की जलीय कृषि को बढ़ावा देने के लिए सहायता दी जाती है।

*****